डॉ. एलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 12, टोरा, नागरिक और सामाजिक

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

खैर, सुप्रभात। मसीह की शांति आपके साथ रहे। मैं हमें गाने की पीड़ा से बचा रहा हूँ।
आखिरकार, यह सोमवार की सुबह है।

क्या यह निराशाजनक नहीं है? वैसे भी, हम एक भजन से शुरू करने जा रहे हैं, लेकिन हम इसे
आज सुबह नहीं गाने जा रहे हैं। यह एक ऐसा भजन है जिसका न्याय से सब कुछ लेना-देना है,
और हम आज सामाजिक टोरा और न्याय के मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। इसलिए, यदि आप उस
भजन की ओर मुड़ना चाहते हैं जिसे मैंने वहाँ नोट किया है, तो भजन 89 का अंश।

और मुझे पता है कि मैं इसे बहुत बड़े और अद्भुत संदर्भ से उठा रहा हूँ, लेकिन मैं आपके लिए
श्लोक 14 और 15 पढ़ता हूँ। धार्मिकता और न्याय आपके सिंहासन की नींव हैं। मुझे बस इसे
फिर से करने दें।

धार्मिकता और न्याय आपके सिंहासन की नींव हैं। प्रेम और वफ़ादारी, यानी हेसेड और एमुनाह,
दो महत्वपूर्ण शब्द हैं जो आपने शायद हमारे व्याख्यान और डॉ. विल्सन को पढ़ते समय देखे
होंगे। प्रेम और वफ़ादारी आपके आगे चलते हैं।

और फिर, पद 15 में, धन्य हैं वे लोग जिन्होंने आपकी प्रशंसा करना सीखा है, जो आपकी
उपस्थिति के प्रकाश में चलते हैं, हे प्रभु।

आइए हम शुरुआत करते समय एक साथ प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालें।

दयालु परमेश्वर, हमारे स्वर्गीय पिता, हम इस सप्ताह की शुरुआत करते हुए प्रार्थना करते हैं कि
आप वास्तव में हमें आपकी उपस्थिति के प्रकाश में चलने में मदद करें, ब्रह्मांड के निर्माता के
रूप में आपकी पूजा करें, विनम्र बनें क्योंकि हम पहचानते हैं कि मसीह के माध्यम से हमारा
उद्धार कितना अद्भुत है और हम कितने अयोग्य हैं।

पिता, हमें अध्ययन करने में खुशी के साथ मदद करें, सिर्फ़ इस घंटे में ही नहीं, बल्कि उन चीज़ों
में भी जिन्हें आपने हमें सीखने में सक्षम बनाया है। पिता, हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं
जो स्वस्थ नहीं हैं, कि आप उनके स्वास्थ्य को बहाल करें। हम उन लोगों के लिए प्रार्थना करते हैं
जो गहरे मुद्दों, चुनौतियों, भय और निराशाओं से जूझ रहे हैं, कि आप अपनी आत्मा से उन्हें
सशक्त बनाएँ और उन्हें वास्तव में अपने करीब लाएँ।

हम अपने परिवारों के लिए प्रार्थना करते हैं, और हम आपकी देखभाल और सुरक्षा की भीख
मांगते हैं। हम अपने देश में सरकार के हर स्तर पर नेताओं के लिए प्रार्थना करते हैं। हे प्रभु, उन्हें
अपनी बुद्धि प्रदान करें।

ऐसे कई चुनौतीपूर्ण मुद्दे हैं जिनसे निपटना है, और उन्हें निश्चित रूप से आपकी बुद्धि की आवश्यकता है। और हम दुनिया भर में संकटग्रस्त स्थानों के लिए प्रार्थना करते हैं, ताकि आपकी दया और आपकी कृपा से शत्रुता की शक्तियों को दबाया जा सके। प्रभु, हम जानते हैं कि यह एक बहुत बड़ा आदेश है। हम जानते हैं कि आप एक सर्वज्ञ, परिपूर्ण और शानदार ईश्वर हैं। और इसलिए, हम ब्रह्मांड के स्वामी के रूप में, ये चीजें मांगते हैं, और हम उन्हें मसीह के नाम पर धन्यवाद के साथ मांगते हैं। आमीन।

खैर, आज हम सामाजिक, नागरिक टोरा की ओर बढ़ रहे हैं। और आप देखेंगे, बेशक, पृष्ठभूमि में वह चतुर छोटा सा सूक्ष्म संतुलन है, और मैं चाहता हूँ कि आप उसे देखें। यह टोरा की हमारी चर्चा के लिए उपयुक्त है, जिसका सामाजिक न्याय के मुद्दों से संबंध है।

यह वहाँ है। यह थोड़ा अस्पष्ट है, लेकिन यह वहाँ है। मेरे पास शुरू करने के लिए एक प्रश्न है।

समीक्षा प्रश्न। यह बहुविकल्पीय है। यह ऐसा भी हो सकता है कि आप आने वाली परीक्षा में ऐसा प्रश्न देखें।

आप कभी नहीं जानते। इसलिए, नागरिक और सामाजिक टोरा के उद्देश्यों के लिए, फिर से याद रखें कि हमारे पास टोरा की तीन श्रेणियाँ हैं क्योंकि वे हमें इस चीज़ के बारे में सोचने में मदद करती हैं, इसलिए नहीं कि उनके पास कठोर सीमाएँ हैं। ठीक है।

तो यहाँ हम हैं। समीक्षा करें। क्या यह एक सामाजिक, नागरिक टोरा है जिसे व्यक्ति की इच्छा की ज्यादातियों को रोकने के लिए नैतिक दिशा-निर्देश स्थापित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है? क्या यह सामाजिक, सामाजिक, हाँ, सामाजिक आचरण की संरचना करने और न्याय के उचित प्रशासन के लिए प्रदान करने के लिए है? क्या यह यह इंगित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है कि सारा जीवन ईश्वर की उपस्थिति में जिया जाता है, या यह एक पवित्र ईश्वर के प्रति हमारे दृष्टिकोण के लिए एक वातावरण बनाने के लिए है? यह कौन सा है? किसी को याद है? पहला कौन सा है? दूसरा कौन सा है।

इसे कुछ वोट मिल रहे हैं। तीसरा। वहाँ कुछ वोट हैं।

चौथा। ठीक है। यह मुख्य रूप से दो और तीन के बीच होगा, है न? यह रहा।

यह हमारी पिछली बार की सटीक उक्ति है। सिविल सोशल टोरा। और फिर से, यह वह श्रेणी है जिसे हमने इस बारे में बात करने में मदद करने के लिए कुछ सीमाएँ निर्धारित करने के लिए चुना है।

नागरिक सामाजिक टोरा। मैं बात भी नहीं कर सकता। यह सामाजिक आचरण की संरचना के लिए है।

दूसरे शब्दों में, हमें ऐसे तरीके बताइए जिनसे हम समुदायों में काम कर सकें क्योंकि हमें वहीं रहने के लिए बनाया गया है, और फिर न्याय के उचित प्रशासन की व्यवस्था करें। तीसरा और

चौथा वास्तव में अनुष्ठानिक टोरा से अधिक संबंधित है, जिसके बारे में, भगवान की इच्छा से, हम बुधवार को बात करने जा रहे हैं। तो चलिए शुरू करते हैं।

आज मैं सबसे पहले यही कहूंगा कि आपमें से कितने लोगों ने अमेरिकी सरकार के बारे में कोई कोर्स किया है? कहीं न कहीं। नौवीं कक्षा की नागरिक शास्त्र की कक्षा या ऐसा ही कुछ।

ठीक है। ठीक है। या शायद यहीं भी।

आज मैं जो करना चाहता हूँ, वह यह है कि आप हमारी सरकार प्रणाली के बारे में जो जानते हैं और जो आपने पढ़ा है, उसके बीच, कम से कम शुरुआत में, विरोधाभासों पर विचार करें, जैसा कि आपने पढ़ा है, विशेष रूप से निर्गमन और व्यवस्थाविवरण के अध्याय, वहाँ निर्दिष्ट अध्याय। क्योंकि, संक्षेप में, हम अगले 50 मिनट में जो करने जा रहे हैं, वह लगभग 3,500 साल पहले की इज़राइली सरकार के बारे में बात करना है। और मैं चाहता हूँ कि हम इसके बारे में सोचें।

हम जो कुछ करने जा रहे हैं, कम से कम पहले 15, 20 मिनट पहले, यह एक समय का ताना-बाना है, पहले 15 या 20 मिनट या उससे भी ज़्यादा समय के लिए, कम से कम मुझे वहाँ सही ओ एंडिंग मिली। उम्मीद है, हम इस संबंध में एक अच्छी चर्चा कर सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि आप उन चीज़ों का उपयोग करेंगे जो आप जानते हैं, दोनों हमारे विशेष सरकारी सिस्टम के साथ अपने स्वयं के अनुभव के संदर्भ में। फिर, हम व्याख्यान रूपरेखा के माध्यम से बात करेंगे।

मैंने आपको इनमें से कुछ चीज़ों को वर्गीकृत करने के बारे में बहुत सारी जानकारी दी है। इसलिए मैं किराने की सूची जैसी दिखने वाली चीज़ों के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूँ। यह वास्तव में ऐसी ही होती है।

आप ब्लैकबोर्ड पर मौजूद सामग्री और वहाँ मौजूद सामग्री से यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन मैं कम से कम शुरुआत में एक काफी दिलचस्प चर्चा करना चाहूँगा। यह कोई आसान मुद्दा नहीं है जिससे निपटना ज़रूरी है।

और इसलिए, आइए इसके बारे में थोड़ी बात करें। सबसे पहले, कुछ प्राचीन निकट पूर्वी समानताएँ हैं। और मैंने पिछली बार कहा था, मुझे लगता है कि यह पिछली बार था, कि जिन चीज़ों पर हम ध्यान केंद्रित करना चाहते थे उनमें से एक हम्मुराबी की संहिता थी।

अब, आपके पुराने नियम के समानांतर, आपके पास इसके कुछ अंश हैं। मेरे सामने जो है वह एक बहुत बड़ी किताब है। मुझे लगता है कि इसका वजन लगभग छह पाउंड है।

और इसमें हम्मुराबी की संहिता की पूरी जानकारी है। वैसे, यह लाइब्रेरी के संदर्भ अनुभाग में है। अगर आप पूरी किताब पढ़ना चाहते हैं, तो यह यहाँ है।

मैं जो करने जा रहा हूँ, वह यह है कि मैं आपको कोड के कुछ अंश पढ़कर सुनाऊँगा और फिर निर्गमन की पुस्तक से कुछ सामग्री पढ़ूँगा जिसे आप आज पहले ही पढ़ चुके हैं। और चलिए

तुलना और विरोधाभास के संदर्भ में सोचते हैं, ठीक है? यही पहली चीज़ है जो हम करना चाहते हैं। तो चलिए शुरू करते हैं।

मैं आइटम नंबर 195 से शुरू कर रहा हूँ। यहाँ कानून की 282 छोटी घोषणाएँ हैं। मैं 195 से शुरू कर रहा हूँ।

और ध्यान से सुनो कि क्या अलग है और क्या समान है। अगर किसी बेटे ने अपने पिता को मारा है, तो वे उसका हाथ काट देंगे। अगर किसी नागरिक ने कुलीन वर्ग के किसी सदस्य की आँख फोड़ दी है, तो वे उसकी आँख फोड़ देंगे।

अगर उसने किसी दूसरे नागरिक की हड्डी तोड़ी है, तो वे उसकी हड्डी तोड़ देंगे। अगर उसने किसी आम आदमी की आँख फोड़ दी है या किसी आम आदमी की हड्डी तोड़ दी है, तो उसे एक मिना चाँदी देनी होगी। अगर उसने किसी नागरिक के गुलाम की आँख फोड़ दी है या किसी नागरिक के गुलाम की हड्डी तोड़ दी है, तो उसे उसकी कीमत का आधा हिस्सा देना होगा।

अगर किसी नागरिक ने अपने ही दर्जे के नागरिक का दांत तोड़ा है, तो उसे उसका दांत तोड़ देना चाहिए। अगर उसने किसी आम नागरिक का दांत तोड़ा है, तो उसे एक तिहाई मिना चाँदी देनी होगी। और यह इस तरह की चीज़ों के साथ चलता रहता है।

मैं यहाँ थोड़ा आगे की बात छोड़ देता हूँ। अगर कोई नागरिक किसी दूसरे नागरिक की बेटी पर हमला करता है और उसका गर्भपात हो जाता है, तो उसे भ्रूण के बदले 10 शेकेल चाँदी देनी होगी। अगर वह महिला मर गई है, तो उन्हें नागरिक की बेटी को मौत की सज़ा देनी होगी।

अगर किसी आम आदमी की बेटी को किसी झटके से गर्भपात हो जाता है, तो उसे पाँच शेकेल चाँदी देनी होगी। अगर वह महिला मर जाती है, तो उसे आधा मिना चाँदी देनी होगी। इसमें आगे बताया गया है कि महिला दास के मामले में क्या होता है।

और मुझे लगता है, ठीक है, एक और बात जो हम यहाँ पढ़ेंगे। अगर कोई बिल्डर किसी नागरिक के लिए घर बनाता है, लेकिन अपना काम मज़बूत नहीं करता, तो उसका बनाया हुआ घर गिर जाता है और घर के मालिक की मौत हो जाती है, और बिल्डर को मौत की सज़ा दी जाती है। अगर इससे घर के मालिक के बेटे की मौत हो जाती है, तो बिल्डर के बेटे को मौत की सज़ा दी जानी चाहिए।

अगर इसकी वजह से किसी गुलाम की मौत हो जाती है, तो उसे घर के मालिक को गुलाम के बदले गुलाम देना होगा। अगर इसकी वजह से सामान नष्ट हो गया है, तो उसे जो कुछ भी नष्ट हुआ है, उसकी भरपाई करनी होगी। साथ ही, क्योंकि उसने घर को मज़बूत नहीं बनाया, जिसे उसने बनाया था, और वह गिर गया, इसलिए उसे अपने खर्च पर उस घर का पुनर्निर्माण करना होगा, जो गिर गया।

खैर, ये हम्मुराबी की संहिता से लगभग 10 उदाहरण हैं। मुझे उम्मीद है कि आपको कुछ ऐसी बातें समझ में आ रही होंगी जो आपके बौद्धिक एंटेना को थोड़ा हिला रही होंगी। अब मैं आपको निर्गमन की पुस्तक से कुछ अंश पढ़कर सुनाता हूँ।

अध्याय 21, श्लोक 12 से शुरू होता है। जो कोई किसी व्यक्ति पर वार करके उसे मार डालता है, उसे अवश्य ही मृत्यु दंड दिया जाएगा। यदि उसने ऐसा जानबूझकर नहीं किया है, लेकिन परमेश्वर ने ऐसा होने दिया है, तो उसे उस स्थान पर भाग जाना चाहिए जिसे मैं निर्दिष्ट करूँगा।

लेकिन अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को जानबूझ कर मार डालता है, तो उसे मेरी वेदी के पास से हटा दो और उसे मौत की सज़ा दो। जो कोई अपने पिता या माँ पर हमला करता है, उसे मौत की सज़ा दी जानी चाहिए। जो कोई किसी दूसरे व्यक्ति का अपहरण करता है और उसे बेच देता है या पकड़े जाने के बाद भी उसे अपने पास रखता है, उसे भी मौत की सज़ा दी जानी चाहिए।

जो कोई अपने पिता या माता को कोसता है, उसे अवश्य ही मृत्यु दंड दिया जाना चाहिए। यदि लोग आपस में झगड़ते हैं और एक दूसरे को पत्थर से मारता है या उसका मुक्का मरता नहीं है, बल्कि बिस्तर पर पड़ा रहता है, तो मुक्का मारने वाले को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, यदि दूसरा उठकर अपनी लाठी लेकर बाहर घूमने लगे। हालाँकि, उसे घायल व्यक्ति को उसके समय की हानि के लिए भुगतान करना होगा।

मैं सीधे 22वें श्लोक पर जा रहा हूँ। नहीं, मैं 20वाँ श्लोक पढ़ूँगा। यदि कोई व्यक्ति अपने दास या दासी को छड़ी से पीटता है और परिणामस्वरूप दास की मृत्यु हो जाती है, तो उसे अवश्य दण्डित किया जाना चाहिए।

लेकिन अगर गुलाम एक या दो दिन बाद उठ जाता है तो उसे सज़ा नहीं दी जानी चाहिए क्योंकि गुलाम उसकी संपत्ति है। अगर लड़ने वाले पुरुष किसी गर्भवती महिला को मारते हैं और वह समय से पहले बच्चे को जन्म देती है लेकिन कोई गंभीर चोट नहीं है, तो अपराधी को महिला के पति की मांग और अदालत द्वारा दी गई अनुमति के अनुसार जुर्माना देना चाहिए। लेकिन अगर गंभीर चोट है, तो आपको जान के बदले जान, आंख के बदले आंख, दांत के बदले दांत, हाथ के बदले हाथ, पैर के बदले पैर, जलने के बदले जलना, घाव के बदले घाव, चोट के बदले चोट।

और जैसा कि आप जानते हैं, यह चलता रहता है। ठीक है, आइए देखें कि क्या हम कम से कम कुछ ऐसी चीजें प्राप्त कर सकते हैं जो हमें उस सांस्कृतिक संदर्भ में कुछ अंतरों के बारे में वैचारिक रूप से सोचने में मदद करेंगी क्योंकि मैं आपको याद दिला दूँ, हम्मुराबी की संहिता 17वीं, 18वीं शताब्दी ईसा पूर्व से आ रही है। उनका जीवनकाल उन दो शताब्दियों तक फैला था, 18वीं, 17वीं शताब्दी, मुझे कहना चाहिए।

और अगर हम मूसा की तारीख के हिसाब से देखें तो मोज़ेक कानून, 15वीं सदी यानी 1400 के आसपास का है। हमें इसमें कुछ अंतर नज़र आते हैं। लेकिन आपने क्या सुना? आइए पहले समानताओं के बारे में बात करते हैं।

क्या आपने कुछ ऐसे विषय सुने हैं जो एक जैसे हैं? मैरी? हाँ, माप के बदले माप की सज़ा, आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत। अब, शास्त्र यह कहता है, आप जानते हैं, आँख के बदले आँख, दाँत के बदले दाँत, वगैरह, वगैरह, और यह हमें यह संकेत देने के लिए संक्षिप्त रूप से बताता है कि यह सिद्धांत माना जाता है, माप के बदले माप। हम्मुराबी की संहिता इसे स्पष्ट करती है।

हर मामले में, आपको यह मिल गया है। जब तक कि, ज़ाहिर है, कुछ अन्य कारक नहीं चल रहे हों। कोई अन्य समानताएँ? निक? हाँ, बहुत सारी समानताएँ हैं, है न, इस मामले में कि यह एक महिला को प्रभावित करता है जो गर्भवती है और किसी तरह का समय से पहले जन्म होता है।

और नुकसान के संबंध में, और वास्तव में, हम्मुराबी ने इसे स्पष्ट किया है, भ्रूण को भुगतान किया जाना चाहिए। और फिर कुछ जीवन-के-लिए-जीवन मुद्दे भी हो रहे हैं। लेकिन क्या आपने उस संदर्भ में भी, सज़ा के संदर्भ में कोई अंतर देखा? हाँ, हालाँकि निर्गमन पाठ भी थोड़ा अस्पष्ट है।

मैं वास्तव में दूसरी बात के बारे में सोच रहा था। क्या आपने गौर किया कि हम्मुराबी पाठ में अगर महिला मर जाती है तो क्या होता है? किसकी जान ली जाती है? हाँ, बेटी की। अपराधी की बेटी, जो कि एक असामान्य संतुलन है।

यह वास्तव में जीवन के लिए जीवन नहीं है। यह एक महिला का जीवन एक महिला के जीवन के लिए है, जो समीकरण को थोड़ा बदल देता है, है न? हाँ। क्या समानता के संदर्भ में कुछ और है? बेका? हाँ, वही मूल अपराध।

अब, बेशक, मैंने थोड़ा धोखा दिया है, और मैंने ऐसी चीजें उद्धृत की हैं जो एक जैसी हैं। लेकिन आपके पास एक ही तरह की अनुक्रमणिका है। इसलिए, लोगों पर हमला करने, लोगों का अपहरण करने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से जुड़े मुद्दे सभी वहाँ होंगे।

और इसलिए, हम सभी के पास न्याय के बारे में एक ही बुनियादी विचार हैं और जब हमारे साथ अन्याय होता है तो उसे क्या कहते हैं। क्या आपने भी गौर किया? वैसे, यह हमारे मतभेदों की ओर ले जाता है क्योंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ समानताएँ और अंतर दोनों हैं। दोनों ग्रंथों में सामाजिक स्तरीकरण के संकेत हैं, है न? सामाजिक स्तरीकरण, दूसरे शब्दों में, दासों के विपरीत स्वतंत्र व्यक्ति, वह है जिसे आप पढ़ने जा रहे हैं, विशेष रूप से निर्गमन पाठ में।

और दोनों ग्रंथों में लिंग भेद। लेकिन आइए अब कुछ जगहों पर नज़र डालें जहाँ सामाजिक स्तरीकरण के मामले में हम्मुराबी और बाइबिल के पाठ के बीच विरोधाभास हैं। नागरिकों के कौन से अलग-अलग वर्ग, मैंने ठीक से नहीं कहा, लोगों के कौन से अलग-अलग वर्ग आपने सुने जब मैं पढ़ रहा था? निक, आगे बढ़ो।

और एक और। ठीक है, अभिजात वर्ग, नागरिक, जो इस पाठ में एक अजीब शब्द है, लेकिन शायद यह इसका सबसे अच्छा अनुवाद है। आम लोग, यहाँ एक आम वर्ग भी है।

और फिर, अंत में, दास भी। तो, अलग-अलग स्तर हैं और, ज़ाहिर है, फिर उस पूरी जाति व्यवस्था में किसी व्यक्ति के स्थान के आधार पर अलग-अलग तरह की सज़ाएँ तय की जाती हैं, जो कुछ मायनों में यही है। अब, मैंने आपको ऐसा कोई खंड नहीं पढ़ा जो वास्तव में इसे उससे आगे ले जाता हो।

इनमें से कुछ वर्गों में रैंक भी हैं। और कुछ विशेष कानूनी शर्तें उन्हें इंगित करती हैं। क्या आपने कोई अन्य अंतर सुना है? यह थोड़ा और है, हाँ, आगे बढ़ो, क्रिस्टीना।

ठीक है, तो बाइबिल के पाठ में कहा गया है कि अगर गुलाम उठकर फिर से काम करने में सक्षम हो जाता है तो उसे कोई सज़ा नहीं दी जाएगी क्योंकि वह संपत्ति है। अब, मैं इसके निहितार्थों के संदर्भ में थोड़ी देर बाद इस पर बात करने जा रहा हूँ, या कम से कम मैं इसे संबोधित करने की कोशिश करूँगा। यह उन चीजों में से एक है जो थोड़ी चुनौतीपूर्ण है।

क्या आपने देखा कि हम्मुराबी ने भुगतान के बारे में भी बताया है? आगे बढ़ो, जिंजर। हाँ, लोगों को चुराना, अपहरण करना, मृत्यु दंड। और यह सब नीचे की रेखा पर ही है।

अपने माता-पिता पर प्रहार करना। ध्यान दें कि निर्गमन में अपने पिता पर प्रहार करना और अपनी माँ पर प्रहार करना दोनों शामिल हैं। माँ को भी वहाँ शामिल किया गया है, क्योंकि आप जानते हैं, यदि आप उस पर प्रहार करते हैं, तो आप उस संदर्भ में दोषी हैं।

लेकिन आप सही कह रहे हैं। यह उन जगहों में से एक है जहाँ हम पाते हैं कि दस आज्ञाओं का उल्लंघन मौत की सज़ा के लायक है। और यह उन्हें वहीं सूचीबद्ध करता है।

अच्छा, अच्छा। हाँ, कैलन। इसमें यह तो कहा गया था कि इसे न्यायाधीशों के सामने लाया जाए, है न? और सच तो यह है कि आपने शायद निर्गमन के इन अध्यायों के बाकी हिस्से पढ़ेंगे।

स्पष्ट रूप से एक प्रणाली है, गवाह, वगैरह, वगैरह। इसलिए, एक स्पष्ट न्यायालय प्रणाली है। अब, मैं सुझाव दूँगा, हम्मुराबी संहिता के प्रति पूरी निष्पक्षता में, कि इसके पीछे भी यही माना जाता है।

हालाँकि यह इन विशेष कानूनों के कथन में इसे सही ढंग से शामिल नहीं करता है। खैर, चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं। देखते हैं कि हम इसके साथ और क्या कर सकते हैं।

मुझे अपना... हाँ, टोरा और... के बीच का अंतर लाना चाहिए था। ठीक है, हमने वह कर लिया है। चलिए थोड़ा आगे बढ़ते हैं। हमने एक तरह से क्षैतिज... हाँ, केटी।

नहीं, नहीं, आगे बढ़ो। यह एक अच्छा सवाल है, और मैं इसका जवाब अभी दूँगा क्योंकि मैं शायद बाद में इसका जवाब देना भूल जाऊँगा, हालाँकि हम थोड़ी देर में उस माप-दर-माप दंड की बात पर वापस आएँगे। इसे जिस उद्देश्य से बनाया गया है, कम से कम जैसा कि मैं इसे और इस पर लिखने वाले अन्य लोगों को समझता हूँ, वह है न्यायालय प्रणाली।

भगवान अपने लोगों के लिए यह तय कर रहे हैं कि समुदाय में समस्याओं से निपटने के लिए किस तरह से काम करना है। और इसलिए, न्यायालय प्रणाली है। और मूल रूप से, यह इंगित करने के लिए है कि सजा अपराध के समान ही होनी चाहिए।

क्योंकि अन्यथा हमारी प्रवृत्ति क्या है? तुम मुझे मारोगे, मैं तुम्हारा सिर काट दूंगा। मेरा मतलब है, बस बातचीत को देखो। अगर कुछ गलत होता है, तो आमतौर पर एक प्रतिक्रिया होती है जो एक अति प्रतिक्रिया होती है।

और फिर एक और प्रतिक्रिया होती है, एक अति प्रतिक्रिया, और आपके पास यह चल रहा भवन विवाद है जो वास्तव में एक बदसूरत व्यवसाय है। हम्मुराबी की संहिता में और बाइबिल के पाठ में भी जो चल रहा है, वह यह है कि नहीं, हम संतुलित न्याय करने जा रहे हैं। अपराध की प्रकृति को संतुलित होना चाहिए।

सजा देने में यह अतिशयोक्ति नहीं है। जब आप मैथ्यू अध्याय 7 को पढ़ना शुरू करते हैं तो यीशु क्या कर रहे हैं, व्यक्तिगत बातचीत में, ठीक है, तो वहाँ एक अंतर है। आपकी व्यक्तिगत बातचीत में, आप उस तरह से प्रतिक्रिया नहीं करते हैं।

इसके बजाय, आप अविश्वसनीय रूप से चीजों को उलट देते हैं। आप वह करते हैं जो मानव स्वभाव के बिल्कुल विपरीत है, और वह है कि आप क्षमा करते हैं, आप दूसरा गाल आगे कर देते हैं, वगैरह, वगैरह। इसलिए, वह किसी भी तरह से न्यायिक सिद्धांत का विरोध नहीं कर रहा है।

कम से कम मैं तो यही समझता हूँ। और, फिर से, यह माउंट पर उपदेश का हिस्सा है, जिसे अगर आप माउंट पर उपदेश पढ़ते हैं, और, बेशक, आप सभी ने इसे पढ़ा है क्योंकि आप डॉ. ग्रीन के साथ न्यू टेस्टामेंट में रहे हैं। माउंट पर उपदेश एक के बाद एक उलटफेर है।

यह हमें बता रहा है, आप जानते हैं, आपको अपने स्वाभाविक झुकाव से बिल्कुल अलग तरीके से जीवन जीना होगा। ट्रेवर? एक ऐसे पाठ के लिए जो इतना सार्वभौमिक है, क्या? आह, बढ़िया सवाल। मैं थोड़ी देर में उस पर आऊँगा।

यह एक बढ़िया सवाल है। अगर मैं पाँच या दस मिनट में इसे संतोषजनक ढंग से नहीं निपटा पाता हूँ, तो इसे फिर से उठाऊँगा। ठीक है, यह एक अच्छा सवाल है।

क्योंकि, आप जानते हैं, आप सांस्कृतिक सीमाओं के बारे में बात करते हैं, आइए इस विशेष प्रश्न पर भी नज़र डालें। यहाँ हम बात कर रहे हैं, जैसा कि मैंने कहा, इज़राइली सामाजिक न्याय की चर्चा के बारे में। और हम 21वीं सदी में हैं, है न? कुछ अंतर हैं।

आइए देखें कि क्या हम चार या पाँच ऐसी बातें बता सकते हैं जो नौवीं कक्षा की नागरिक शास्त्र की कक्षा में आपने जो सीखा और निर्गमन/व्यवस्थाविवरण पढ़ने से आपको जो मिल रहा है, उसके बीच स्पष्ट रूप से भिन्न हैं। इनमें से कुछ अंतर क्या हैं? अभी विशिष्ट बातों के बारे में न सोचें। सामान्य रूप से सोचें।

चेल्सी? ठीक है, तो हम टोरा में मृत्यु दंड के बहुत अधिक कार्यान्वयन को देखते हैं। अब, दिलचस्प बात यह है कि, हमारे विपरीत, हम मृत्यु दंड पर ऊपर और नीचे जाते हैं। कभी-कभी यह वहाँ होता है।

कभी-कभी ऐसा नहीं होता, जो हमें एक और अंतर की ओर ले जाता है, जो है जेल प्रणाली। लेकिन मैं थोड़ी देर में उस पर वापस आऊंगा। हाँ, हम उस पर वापस आएंगे।

यह एक अच्छी बात है। मैरी? बेशक, मुझे संदेह है कि अगर आप बैठ कर उन चीजों को पढ़ें जो वकीलों को पढ़नी होती हैं, तो हम बहुत ज़्यादा विशिष्टता देखेंगे, आप जानते हैं, सैकड़ों और सैकड़ों और सैकड़ों पृष्ठ। लेकिन हाँ, यहाँ कुछ विशिष्टताएँ हैं।

यह बिलकुल सच है। यह बिलकुल सच है। सारा? ठीक है, तो हमारे पास एक संविधान है, और खास तौर पर अधिकारों का विधेयक, जिसका सकारात्मक प्रभाव है।

वैसे, मैं यह कहना चाहूँगा कि टोरा में काफी मात्रा में सकारात्मक बातें भी हैं। लेकिन आप सही कह रहे हैं। सामाजिक आचरण की संरचना और उल्लंघनों से निपटने के संबंध में हम जो कुछ पढ़ रहे हैं, उसका उद्देश्य यही है। जाहिर है, यहाँ अपराध है, यहाँ सज़ा का लहज़ा है।

और कुछ? मुझे इसे इस तरह से पूछने दो। जैसा कि आपने पढ़ा, विशेष रूप से निर्गमन 21 का दूसरा भाग, बेलों और संपत्ति के बारे में, यह किस तरह के समाज का वर्णन कर रहा है? यह निश्चित रूप से शहरी औद्योगिक नहीं है, है ना? तो, हम दो अलग-अलग तरह की सामाजिक संरचनाओं के बारे में बात कर रहे हैं। यह एक कृषि प्रधान समाज है, और बहुत सी चीजें उन मुद्दों के संदर्भ में प्रस्तुत की जाती हैं जो ग्रामीण संदर्भ में नुकसान और संपत्ति और उल्लंघन के संबंध में सामने आती हैं।

हम इसे ग्रामीण कहेंगे। जबकि हमारी अधिकांश आबादी शहरों में रहती है, वे शहरी हैं, और हमारे पास औद्योगिक अर्थव्यवस्था का आधार है। और कुछ? उस सामाजिक संरचना में कौन अधिकारी है? आपने यंगब्लड में इस पर एक अध्याय पढ़ा है।

यह ईश्वर है। हाँ, यह एक धर्मतंत्र है, है न? यह एक धर्मतंत्र है, जिसका अर्थ है कि ईश्वर ही अंतिम शासक है। हाँ, ईश्वर के शासन के अंतर्गत, हमारे पास राजा, भविष्यवक्ता, पुजारी और वे पद हैं।

लेकिन भगवान हमारे शासक हैं। हमारा क्या है? संभवतः, यह लोकतंत्र है, वैसे, अगर आप लोकतंत्र की परिभाषा जानना चाहते हैं, तो इसका मतलब है भीड़ द्वारा शासित। यह लोगों द्वारा शासित है।

मैं इसे सीधे तौर पर ले रहा हूँ। यह मेरी अपनी बात नहीं है। यह एक महिला है जिसने एपिक ऑफ ईडन नामक एक बहुत ही दिलचस्प किताब लिखी है, और वह लोकतंत्र और धर्मतंत्र के बीच के अंतर के बारे में बात कर रही है।

और वह कहती है, जब आप लोकतंत्र की बात करते हैं, तो यह भीड़ का शासन है। इसलिए, आप इसे ले सकते हैं या छोड़ सकते हैं। क्या कोई और बात है जो अलग है? सारा।

सही है। सज़ा से निपटने के अलग-अलग तरीके हैं, सबसे खास तौर पर हमारी व्यापक जेल प्रणाली, जो अच्छी हो भी सकती है और नहीं भी। आपको बस जेलों में क्या चल रहा है, इस बारे में कुछ समाजशास्त्रीय मुद्दों को पढ़ना है, और आपको आश्चर्य होगा कि वे वास्तव में कितने मददगार हैं।

लेकिन किसी भी तरह, टोरा में, क्या जेल के समान कोई और व्यवस्था है? आप जानते हैं, ज्यादातर मामलों में सज़ा तुरंत दी जाती थी। आपको पता चलता है कि व्यक्ति दोषी है, और अगर उसने कुछ चुराया है, तो आप उस पर चार या पाँच, दो, जो भी हो, जुर्माना लगाते हैं। या फिर एक सज़ा है जो मौत की सज़ा है।

लेकिन क्या जेल के समान कोई और चीज़ है? केट। हाँ, यह शरण का शहर है, है न? शरण का शहर, जो किसके लिए है? ट्रेवर। हाँ, एक अनियोजित हत्या, जो, आप जानते हैं, मूल रूप से, शरण का शहर बिल्कुल वैसा ही है।

यह उस व्यक्ति की रक्षा के लिए बनाया गया है, क्योंकि अन्यथा, खून का बदला लेने वाला कौन आएगा? और फिर, हम उस वृद्धि को प्राप्त करने जा रहे हैं जिसके बारे में मैंने पहले बात की थी, किसी व्यक्ति की मौत के लिए खून का बदला लेने के मामले में। खैर, क्या कोई अन्य अंतर है जिनका हमें उल्लेख करने की आवश्यकता है? एक ऐसा अंतर है जिस पर आप महिलाओं को अपने एंटेना लहराने चाहिए। कुछ लिंग भेद हैं, है न? संभवतः, हमारे पास एक संस्कृति है, और निश्चित रूप से, यह हर समय आदर्श रूप से सच नहीं है, लेकिन संभवतः, हमारे पास एक ऐसी संस्कृति है जहाँ महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार प्राप्त हैं।

तब यह इतना अलग क्यों था? क्योंकि यह सच है। क्या कोई इस छोटी सी खदान में घुसना चाहेगा? बात यह है। अगर कोई महिला अपने पिता, भाई या पति के संरक्षण में नहीं थी, तो उसे भूखा मरना तय था।

उन संदर्भों में स्वतंत्र रूप से रहने वाली महिलाएँ नहीं थीं। इसलिए, इस बड़े परिवार की संरचना में उस विशेष प्रकार की सामाजिक संरचना के साथ, जिसे हम बेत अब कहते हैं, विस्तारित परिवार, महिलाओं को जीवित रहने के लिए, पिता, भाई या पति के संरक्षण में रहना पड़ता था। इससे कुछ अंतर भी पैदा होते हैं।

अब, हम लिंग के उस पूरे मुद्दे पर वापस आएँगे जब हम राजनीतिक विवाह के पूरे गंदे मुद्दे पर बात करना शुरू करेंगे। लेकिन अभी के लिए, इसे यहीं छोड़ देते हैं। खैर, हमें थोड़ा आगे बढ़ने की ज़रूरत है।

कुछ क्रॉस-कल्चरल सिद्धांतों के संदर्भ में बस एक सुझाव जिसे हम इस सामग्री को पढ़ते समय ध्यान में रखना चाहते हैं। दूसरे शब्दों में, हमने अब तक बहुत सारे अंतरों को देखा है। आइए उन चीज़ों के बारे में सोचें जिनमें कुछ विशेष समानताएँ हैं।

टोरा अडिग है। न्याय को संतुलित होना चाहिए। वास्तव में, माप-दर-माप सिद्धांत तीन बार आता है।

निर्गमन 21, लैव्यव्यवस्था 24, और व्यवस्थाविवरण 19, सभी एक अलग तरह की परिस्थिति के जवाब में। तो, हमें यह विचार समझना चाहिए, अरे, आप जानते हैं, संतुलित न्याय का यह विचार, जो हमारे प्रतिशोधी मानव स्वभाव के बिल्कुल विपरीत है। उत्पत्ति में लेमेक को याद करें? पाठ यहाँ इस पर जोर देता है।

इसलिए, इसे संतुलित होना चाहिए, उचित तरीके से लागू किया जाना चाहिए, न कि विकृत, न कि किसी एक वर्ग या दूसरे के पक्ष में। आप जानते हैं, इसमें कहा गया है कि अमीरों का पक्ष मत लो, लेकिन इसमें यह भी कहा गया है कि गरीबों का पक्ष मत लो। यहाँ समान रूप से लागू होना चाहिए।

दिलचस्प बात यह है कि सज़ा देने के लिए दो या उससे ज़्यादा गवाहों की ज़रूरत होती है, खास तौर पर मौत की सज़ा के लिए। दो या उससे ज़्यादा गवाहों की ज़रूरत होती है, नहीं तो वे नहीं हो सकते, और उन गवाहों को सहमत होना पड़ता है।

जब हम पहली सदी में पहुँचते हैं, और निश्चित रूप से, हमारा सबसे बड़ा उदाहरण यीशु का मुकदमा है, जहाँ वे गवाहों को सहमत नहीं कर सकते। लेकिन उस समय तक, रब्बियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए एक बहुत ही जटिल प्रणाली का निर्माण किया था, कि गवाह शब्द-दर-शब्द सहमत हों या वे मृत्युदंड को प्रभावित नहीं करेंगे। इसलिए, वास्तव में रब्बी न्यायालय प्रणाली में मृत्युदंड लाने के लिए बहुत कुछ नहीं था, क्योंकि वे बहुत सावधान थे।

और वास्तव में, रब्बिनिक आंदोलन ने मृत्युदंड से बचने के लिए और इसके बजाय जुर्माना लगाने जैसे कुछ और करने के तरीकों के बारे में सोचने के लिए वास्तव में कड़ी मेहनत की। खैर, वंचितों की देखभाल करें। तीन प्रतिमान शब्द, और आप उन्हें बार-बार देखते हैं।

विधवाएँ, विदेशी, अनाथ। जो बेसहारा, कमज़ोर हैं और जिनके पास खुद के लिए सहारा पाने का कोई साधन नहीं है। फिर से, यह वही सामाजिक संरचना है।

जो विधवा है, उसके पास भरण-पोषण का कोई साधन नहीं है। इसलिए, अगर आप कहें तो राज्य को उनकी देखभाल करनी चाहिए। और इसके लिए वास्तविक चिंता भी होनी चाहिए।

और सिर्फ़ इतना ही नहीं, एलियंस। एलियंस के लिए इतनी चिंता क्यों? पाठ में इसका कारण क्या बताया गया है? अरे यार, एक नाम, मेरी मदद करो। कैरी, आगे बढ़ो।

हाँ, बिल्कुल यही बात है। सिद्धांत यह है कि आप सभी मिस्र में एलियन थे। आप जानते हैं कि यह कैसा है।

आपको अपने बीच में रहने वाले अजनबियों के साथ इस तरह से पेश आना चाहिए कि आप उनके प्रति दयालु और सहायक हों, न कि उन्हें गुलाम बनाएँ। बढ़िया। और फिर, अंत में, मानवीय गरिमा के लिए चिंता।

उदाहरण के लिए, अगर वे किसी को सज़ा दे रहे थे, तो उसे इस हद तक सज़ा नहीं दी जानी चाहिए कि वह अमानवीय हो जाए। और इसलिए, इस पर सख्ती है। आप जानते हैं, 40 कोड़े से ज़्यादा नहीं और इस तरह की चीज़ें, ताकि मानवीय गरिमा बनी रहे।

ठीक है, क्या हम आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं? मुझे लगता है कि यहाँ एक सवाल है। हाँ, कुछ चुनौतीपूर्ण मुद्दे क्या हैं? खैर, हमने उनमें से कुछ का उल्लेख किया है। क्या आप किसी और के बारे में सोच सकते हैं? जब आप इसे पढ़ते हैं, तो आप ऐसा क्यों कहते हैं, अरे यार, मुझे नहीं लगता कि मुझे यह वाकई पसंद है? अब, ट्रेवर, हम एक मिनट में आपके सवाल पर वापस आएँगे।

चेल्सी। सही है। गुलामी के अस्तित्व का पूरा मुद्दा एक बात है, और फिर एक गुलाम को एक स्वतंत्र व्यक्ति, और विशेष रूप से एक स्वतंत्र इस्राएली की तुलना में कम गुणवत्ता वाले व्यक्ति के रूप में कैसे माना जाता है।

गुलामी के अलावा और कुछ? केटी। मौत की सज़ा का ज़िक्र कई बार किया गया है। अच्छा, अच्छा।

यह हमें अच्छा नहीं लगता, है न? अब, फिर से, मैं इस रास्ते पर नहीं जा रहा हूँ, लेकिन मैं आपको सुझाव दूँगा कि हो सकता है कि हमारी जेल प्रणाली की वास्तविकता उतनी ही अमानवीय हो। बस एक सुझाव, लेकिन मुझे एहसास है कि यह एक लंबी, लंबी, लंबी बहस है। सुज़ाना।

हाँ, अब यह हम्मुराबी की संहिता है, इसलिए हमें इसके बारे में बहुत ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। जब उसने कहा कि एक आदमी की बेटी उसके उल्लंघन के लिए मर जाती है, तो यह टोरा नहीं है। लेकिन फिर से, मेरा मतलब है, यहाँ कुछ दिलचस्प लैंगिक मुद्दे हैं जो सामने आते हैं, है न? हम पहले ही उनका उल्लेख कर चुके हैं।

खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं और देखते हैं कि हम इनमें से कुछ चीज़ों के साथ क्या कर सकते हैं। यह एक चार्ट है जिसे मैं समझाने के लिए कुछ समय लेना चाहता हूँ, जो ट्रेवर, आप जो कह रहे हैं, उस पर प्रतिक्रिया करता है। विलियम वेब नाम का एक आदमी, मैंने आपको यहाँ तारीख दी है।

मुझे लगता है कि इसका नाम है। मुझे किताब का शीर्षक याद नहीं है, लेकिन आप उसे देख सकते हैं। हमारे पास यह लाइब्रेरी में है, मुझे यह पता है। मुझे लगता है कि इसका नाम है गुलाम, औरतें और समलैंगिकता।

मुझे यकीन है कि शीर्षक के तीन तत्व यही हैं, लेकिन वे सभी कैसे काम करते हैं, मुझे पूरी तरह से यकीन नहीं है। लेकिन किसी भी दर पर, यहाँ आप जाइए। वह एक ऐसा प्रस्ताव दे रहा है जिसे वह मुक्ति आंदोलन हेर्मेनेयुटिक कहता है।

ठीक है, चलिए इसका अर्थ समझते हैं। मुक्ति आंदोलन का अर्थ। दूसरे शब्दों में, टोरा में हम जो कुछ पढ़ते हैं, वह किसी सर्वकालिक सिद्धांत का स्थिर प्रतिबिंब नहीं है।

आइए देखें कि यह कैसे काम करता है। यहाँ, मूल संस्कृति। दूसरे शब्दों में, मैंने आपको हम्मुराबी की रचनाएँ पढ़कर सुनाई हैं, जो दूसरी सहस्राब्दी में व्यापक प्राचीन निकट पूर्वी संस्कृति को दर्शाती हैं।

अब, मैं मोटे तौर पर जानता हूँ, मोटे तौर पर, क्योंकि हमारे बीच 400 साल का अंतर है, लेकिन हमारी मूल संस्कृति में कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें हमने इंगित किया है, कुछ ऐसी चीजें हैं जो हमें थोड़ी असहज बनाती हैं। उस संस्कृति में, यहाँ आदर्श की ओर आगे, क्योंकि हम अपने तीर को x से z तक जाते हुए देखेंगे, और z परम नैतिकता है, आदर्श है, जिस तरह से चीजें होनी चाहिए, वह चीज जिसकी ओर कानून की भावना इशारा कर रही है। उस सातत्य के साथ कहीं, हमारे पास y है। ये वे शब्द हैं जो इस्राएलियों की विशेष संस्कृति में व्यक्त किए गए हैं।

अगर हम मोजेक कानून, टोरा में कही गई बातें, सिनाई में कही गई बातें लें, तो वे उस खास समय के हिसाब से होंगी। समय में जमे हुए। वे समय में जमे हुए हैं क्योंकि उसी समय शब्द कहे गए थे, और वे बड़ी सांस्कृतिक तस्वीर को दर्शाते हैं।

क्या मैं इसे समझ पा रहा हूँ? वैसे, यह एक शानदार निबंध प्रश्न है। अगर आपको यह समझ में नहीं आता है, तो मुझसे वापस आकर जो मैं कह रहा हूँ उसे दोहराने के लिए कहें। यह बड़ी सांस्कृतिक तस्वीर से बहुत दूर है।

चलिए गुलामी के विचार को लेते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह केवल बाइबिल के पाठ में ही है। हाँ, गुलामी अभी भी मौजूद है।

यह पूरी सांस्कृतिक तस्वीर का हिस्सा है। यह आर्थिक व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि यह केवल टोरा के पाठ में है, जहाँ स्वामियों को चिंतित होने की आवश्यकता है। उन्हें अपने दासों के कल्याण के बारे में चिंतित होने के लिए बाध्य किया जाता है।

हाँ, उन्हें अभी भी संपत्ति कहा जाता है। हम अभी यहाँ नहीं हैं, लेकिन मालिक को उस गुलाम के कल्याण के बारे में चिंतित होना चाहिए, और उन्हें मुक्त करने के लिए एक प्रणाली है, और जब वे मुक्त होते हैं, तो वे कैसे मुक्त होते हैं? वे संपत्ति के साथ मुक्त होते हैं। अगर आप चाहें तो उन्हें मुफ्त प्रावधान दिया जाता है।

तो, यह रास्ते में थोड़ा आगे है। अब, वेब सुझाव देता है कि हम यहाँ ठीक से पहुँचते हैं, और यहाँ कहीं, वैसे, इस बात पर निर्भर करते हुए कि हम पुराने नियम या नए नियम पर हैं, नया नियम दासता के मुद्दे को थोड़ा आगे ले जाने वाला है। आपके पास पॉल है, जो फिलेमोन के संबंध में नहीं कहता है, उसे रिहा करो, लेकिन वह निश्चित रूप से इसका सुझाव देता है, है न? और जो बातें वह ओनेसिमस से कहता है, वे उस दिशा में मजबूत हैं, है न? हम इस बिंदु पर पहुँचते हैं

जहाँ वह सुझाव देता है कि कुल मिलाकर, कुल मिलाकर, हम आदर्श के थोड़ा करीब हैं क्योंकि हमारे पास इनमें से कुछ चीजों का अभ्यास करने का समय है।

अब, वह जो कहता है, उसका कारण यह है। कुछ मामले ऐसे हैं जहाँ हमारी विशेष सामाजिक संरचनाएँ और हमारी सरकार, वगैरह, हमारे कानूनों और हमारी कानूनी प्रणाली का हिस्सा बनने वाली चीजों में बाइबिल के पाठ की तुलना में बेहतर नैतिकता को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। इसका एक क्लासिक उदाहरण गर्भपात का पूरा मुद्दा हो सकता है।

इसमें जीवन के लिए ज़्यादा चिंता की बात नहीं है। यह शायद यहीं कहीं पीछे की ओर एक प्रतिगामी दृष्टिकोण होगा। और आप अन्य मुद्दों के बारे में भी सोच सकते हैं, जहाँ आप कह सकते हैं, ठीक है, आप जानते हैं, हम अभी जहाँ हैं, वह ज़रूरी नहीं कि Y और Z के बीच ही हो। यह कहीं पीछे भी हो सकता है।

तो, यह एक महत्वपूर्ण चेतावनी है, अगर यह वाई से बेहतर नैतिकता को दर्शाता है। मुद्दा यह है कि यह सब, यह सब उस आदर्श की ओर लक्षित है। क्या आपको याद है कि मैंने आपको पिछली बार क्या पढ़ा था? टोरा के उद्देश्यों में से एक में, यह आने वाली बेहतर चीजों की ओर इशारा करना है। इब्रानियों 10, श्लोक 1, कानून आने वाली बेहतर चीजों की एक छाया है।

और यही बात इस मुक्तिदायक व्याख्याशास्त्र में कही गई है। यह हमें यह सोचने के लिए निर्देशित करता है कि जब सब कुछ उस तरह से बहाल हो जाएगा जिस तरह से उसे बहाल किया जाना चाहिए, तो परिस्थितियों का वह आदर्श परिपूर्ण सेट क्या होगा। अब, क्या यह समझ में आता है? मैरी, सवाल।

हाँ, ज़रूर। वैसे, इब्रानियों की पुस्तक, जैसा कि आप इसके अध्ययन से जानते हैं, एक आकर्षक पुस्तक है जिसमें अपनी व्यापक संस्कृति से बहुत सारी रोचक बातें शामिल हैं। लेकिन इसमें छाया शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

टोरा आने वाली अच्छी चीजों की छाया है, जो यह दर्शाता है कि टोरा में जो कुछ है वह हमें बुनियादी खाका दे रहा है। यहाँ बताया गया है कि चीजें कैसी होनी चाहिए, लेकिन यह हमारी अपनी परिस्थितियों में क्या होना चाहिए, एक गिरती हुई दुनिया में हमारा अपना गिरता हुआ जीवन। लेकिन यह आगे की ओर इशारा कर रहा है कि आदर्श क्या होने वाला है।

और इसलिए, एक समय ऐसा आता है जब सब कुछ ठीक हो जाता है। शालोम का पूरा विचार, जिसके बारे में मैं थोड़ी देर में थोड़ा और बताऊंगा, शांति से कहीं ज़्यादा मायने रखता है। हम इसका अनुवाद शांति करते हैं।

यह अच्छा है, लेकिन यह दुनिया का सबसे अच्छा शब्द नहीं है। इसका मतलब है कि सब कुछ ठीक है। और यह एक ऐसे शब्द से आया है जिसका मतलब है भुगतान करना और यह सुनिश्चित करना कि सभी भुगतान पूरी तरह से किए गए हैं।

तो, वहाँ कई तरह की दिलचस्प बातें हैं, टेवर। आप सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक और सार्वभौमिक रूप से लागू होने वाली चीज़ों के बीच कैसे अंतर कर सकते हैं? मैं शुरू में एक तरह का तुच्छ उत्तर देने जा रहा हूँ, और फिर हम इस पर कुछ मिनटों तक चर्चा करेंगे। एक किताब है जिसका मैं बाइबिल अध्ययन के परिचय वर्ग में उपयोग करता हूँ, हाउ टू रीड द बाइबिल फॉर ऑल इट्स वर्थ।

यह कुछ रोचक सिद्धांत भी देता है क्योंकि इसमें टोरा को समर्पित एक पूरा अध्याय है। है न? मुझे लगता है कि इस बारे में सोचने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि इस सारी सामग्री में हमारे पास सिद्धांत हैं। और इसलिए, आप जो भी टोरा पढ़ रहे हैं, बाइबल का जो भी अध्याय आप पढ़ रहे हैं, उसे पढ़ें और कहें, ठीक है, हम अब अपने घरों के चारों ओर परकोटे नहीं बना सकते हैं, लेकिन हमें अपने स्विमिंग पूल के चारों ओर बाड़ बनाने की ज़रूरत है।

और यह वही सिद्धांत है, जीवन का संरक्षण। तो, आप इस सब को बहुत ध्यान से देखते हैं और कहते हैं, क्या यह कुछ ऐसा है जो लागू होता है? अगर ऐसा है, तो बढ़िया। अगर यह लिनन और सन के मिश्रण वाले कपड़े न पहनने का मामला है, तो यह मिस्र की संस्कृति का प्रतिबिंब हो सकता है, जहां से वे आए हैं।

अब, यह हमें बहुत प्रतीकात्मक स्तर पर कुछ कह सकता है कि चीज़ों को आपस में न मिलाएं, लेकिन मैं वास्तव में इसे बहुत आगे नहीं बढ़ाऊंगा। यह एक ऐसा मामला है, मैं सुझाव दूंगा, कि आप कैसे निर्धारित करते हैं कि कौन सी चीज़ें लागू होती हैं, यह देखते हुए कि कौन से कानून और नियम पूरे बाइबल में फिर से प्रकट होने का पैटर्न है, है न? एक क्लासिक लेकिन बहुत ही गर्म-बटन और असुविधाजनक मुद्दे को लें, बाइबिल का पाठ समान रूप से, उत्पत्ति से लेकर नए नियम, कुरिन्थियों, जूड तक समान रूप से समलैंगिक व्यवहार की निंदा करता है। और इसलिए, आप कहेंगे, ठीक है, यह कुछ ऐसा है जो तब भी हमारे आवेदन का अभिन्न अंग है।

ऐसा होना चाहिए। अब, यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है कि हम इसके बारे में कैसे सोचते हैं और इससे कैसे निपटते हैं। हाँ, चेल्सी।

हाँ, इस संस्कृति में मिश्रण कैसे काम करता है और मिश्रण का क्या मतलब है, इस बारे में बहुत कुछ है। मैं इसके बारे में सिर्फ़ इतना ही कहूँगा क्योंकि मैं इसके बारे में ज़्यादा नहीं जानता, ईमानदारी से कहूँ तो, इनमें से कुछ चीज़ों के जीवविज्ञान के संदर्भ में। यहाँ जो हो रहा है, मुझे लगता है, वह शुद्धता पर बहुत ज़ोर देना है क्योंकि परमेश्वर के लोगों को स्वच्छ और शुद्ध होना चाहिए।

और मुझे लगता है कि इसके पीछे प्रतीकात्मकता है जो इसके साथ चल रही है। और इसलिए, आप जानते हैं, हम उस विशेष सिद्धांत और विषय को लेते हैं और हम इसे आज के दिन लागू करते हैं। मुझे लगता है कि मेरे लिए इससे निपटने का यही सबसे सुरक्षित तरीका है।

खैर, क्या हमें अपने मुक्ति आंदोलन, हेर्मेनेयुटिक से आगे बढ़ना चाहिए? इस पर थोड़ा नियंत्रण रखें, इस पर विचार करें, और इन विशेष कानूनों में से कुछ को पढ़ते समय इसका उपयोग करें।

जैसा कि मैंने कहा, हम इसे बहुत जल्दी कर सकते हैं। मैं कुछ चीजों पर थोड़ा और जोर देकर कहूँगा, लेकिन कुल मिलाकर, हम इसे बहुत जल्दी पूरा कर लेंगे।

उपाय के लिए उपाय, मैंने पहले ही संकेत दिया है कि यह वास्तव में अत्यधिक प्रतिशोध को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जैसा कि मैंने पहले कहा था, ये तीनों अंश अलग-अलग मूल स्थितियों से निपटते हैं, लेकिन हर एक इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि अत्यधिक प्रतिशोध के लिए कोई जगह नहीं है। सजा और न्याय को हमेशा संतुलित होना चाहिए।

फिर हमारे पास पाठ में व्यवस्था की एक बहुत ही स्पष्ट व्यवस्था भी है। व्यवस्थाविवरण 16, जैसा कि मैंने यहाँ आपके लिए नोट किया है, आप इसे अपने आप पढ़ सकते हैं, हर शहर में न्यायाधीशों की स्थापना करता है। यह समझ में आता है, है न? और इसलिए, यह एक बहुत ही व्यावहारिक बात है।

हर शहर में न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। हालाँकि, अगर, जैसा कि व्यवस्थाविवरण 17 में बताया गया है, अगर आपके पास कोई ऐसा मामला है जो थोड़ा बहुत मुश्किल है, तो आप उसे न्यायाधीशों के पास ले जाते हैं, और उनके पास केवल दो साल पहले ही JD था और वे वास्तव में इस बात को लेकर निश्चित नहीं थे कि इस मामले की पेचीदगियाँ कैसे हल होंगी। वहाँ एक सर्वोच्च न्यायालय के बराबर की व्यवस्था थी।

अब, यह कैसे काम करता था? वे इसे उस स्थान पर ले गए जहाँ पुजारी थे। पुजारी वाचा के सन्दूक, तम्बू और बाद में मंदिर की उपस्थिति में थे। ऐसा क्यों है कि पुजारियों के पास इन सवालों के जवाब देने की विशेष क्षमता थी? पीछे सोचें।

आगे की सोचो। आगे की सोचो। हम अभी यह नहीं जानते।

क्षमा करें। क्या किसी को इसका उत्तर पता है? हाँ, क्षमा करें। दरअसल, हम इस सप्ताह के अंत में इसका उत्तर देंगे।

लेकिन महायाजक ने अपने वस्त्र में, एक विशेष वस्त्र जिसे वह प्रभु के सामने सेवा करते समय पहनता था, एपोद पर जो वक्ष-पट्टी थी, जिसे उसने वस्त्र के ऊपर पहना था, वक्ष-पट्टी में दो चीजें थीं जिन्हें उरीम और सजावट, ज्योतियाँ और सिद्धियाँ कहा जाता था। मैं वास्तव में नहीं जानता कि वे कैसे काम करते थे, लेकिन निर्गमन 28 हमें बताता है कि उनका उपयोग प्रभु के सामने निर्णय लेने के लिए किया जाता था। और इसलिए, यह एक धर्मतंत्र है, याद है? और अगर हम गंभीरता से लें कि धर्मतंत्र में क्या शामिल है, तो पुजारी जो मनुष्यों और ईश्वर के बीच मध्यस्थ है, इन कठिन मामलों को ईश्वर की उपस्थिति में ला सकता है, और किसी ऐसे तरीके से जिसे हम नहीं समझते हैं, उसे उत्तर मिल सकता है।

अब, उस पर रुकें, क्योंकि हम वापस आएंगे और उरीम और तुम्मिम करेंगे। मुझे लगता है कि यह इस सप्ताह का शुक्रवार है। न्याय प्रशासन को प्रभावित करने वाले कारक।

अगर मैं यह सब जल्दी कर सकता हूँ, क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने पहले ही ये सब कर लिया है, तो यहाँ थोड़ा और विस्तार से बताया गया है। जानबूझकर बनाम अनजाने में, खास तौर पर किसी की हत्या के मामले में। आप जानते हैं, अगर आपने ऐसा करने की योजना बनाई है, तो यह हत्या है, और मृत्युदंड लागू है।

अगर यह आकस्मिक है, तो आप जानते हैं, आप उस व्यक्ति को बहुत ज़ोर से मारते हैं, और भगवान की कृपा से, वे गिर जाते हैं। फिर, वहाँ शरण का शहर था। लिंग।

मैंने पहले ही इस बारे में कुछ कहा है, लेकिन इसे थोड़ा और स्पष्ट करने के लिए, जैसा कि आप निर्गमन 21 को पढ़ते हैं, महिला दासों को मुक्त करने और पुरुष दासों को मुक्त करने के बीच एक बड़ा अंतर है। पुरुष दास मुक्त हो गए। महिलाएँ, इतनी आसानी से नहीं।

क्यों नहीं? हालाँकि व्यवस्थाविवरण में इसके लिए प्रावधान है, फिर भी क्यों नहीं? अगर उनके पास घराने की सुरक्षा नहीं होती, तो वे असुरक्षित स्थिति में आ जाते, और यह बात ध्यान में रखना ज़रूरी है।

अब, निर्गमन 21 में उस पाठ को भी ध्यान से पढ़ने पर, आप देखते हैं कि अक्सर, इस युवती को गुलामी में बेचा जाता था, और आमतौर पर, ऐसा इसलिए होता था क्योंकि उसके पिता के परिवार की आर्थिक परिस्थितियाँ वास्तव में अनिश्चित थीं। और इसलिए, उसे गुलामी में बेचा जा रहा था, किसी बुरी बात के लिए नहीं, बल्कि वास्तव में अक्सर प्राप्त करने वाले परिवार के साथ विवाह में प्रवेश करने के लिए। इसलिए, कुछ मायनों में यह उसके लिए एक कदम है, और यह इस अंतर को भी प्रभावित कर सकता है कि वह स्वतंत्र होगी या नहीं।

अगर वह मालिक के बेटे से विवाहित है, तो दास को स्वतः मुक्त करने में थोड़ी समस्या हो सकती है। यह हमें दासों की ओर ले जाता है। फिर से, यह कुछ ऐसा है जिसे हम देखना पसंद नहीं करते हैं, और यह कठिन है, लेकिन यहाँ हमारे मुक्तिदायक व्याख्यात्मक मॉडल को याद रखें।

गुलामों को पैसे दिए जाते थे। यह लगभग एक कर्मचारी के साथ अनुबंध करने जैसा है। आप एक साल के लिए अनुबंध करते हैं।

मैंने गॉर्डन कॉलेज के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। मुझे कम से कम अगले अगस्त तक गॉर्डन कॉलेज के लिए काम करना है, जब तक कि, निश्चित रूप से, कोई विशेष परिस्थितियाँ न हों। और इसलिए, अगर आप इस तरह से सोचना चाहते हैं, तो अनुबंध के तहत वे लोग गुलाम थे।

अब, बेशक, यह इतना सौम्य नहीं है। इसके अलावा भी कई मुद्दे हैं। लेकिन दूसरा मुद्दा भी मैं कहना चाहता हूँ, और यह कुछ ऐसा है जिसका ज़िक्र मैं पहले ही कर चुका हूँ।

कोई अन्य प्राचीन निकट पूर्वी संहिता नहीं है। यही ANE का अर्थ है। कोई अन्य प्राचीन निकट पूर्वी संहिता नहीं है जो दासों को उनके मालिकों द्वारा उनके साथ किए जाने वाले कार्यों से बचाने

के लिए बहुत चिंतित हो, दास की भलाई के लिए चिंतित हो और दास की भलाई के लिए चिंतित होने के लिए स्वामी के दायित्व के लिए भी चिंतित हो।

तो, यह आदर्श की ओर हमारी प्रगति है। और फिर आपने भी गौर किया होगा, मैंने अभी तक इसका उल्लेख नहीं किया है, लेकिन इस्राएलियों और विदेशियों के बीच कुछ अंतर हैं। और वे अन्य बातों के अलावा, ऋण के पूरे क्षेत्र में दिखाई देते हैं।

क्या आप कर्ज पर ब्याज ले सकते हैं? और उन्हें इस्राएलियों से ब्याज लेने की अनुमति नहीं थी, क्योंकि, ज़ाहिर है, जब ब्याज मिलता है, तो लोगों को गुलाम क्यों बनाया गया और वे कर्ज में क्यों थे? क्योंकि उनके पास पैसे नहीं थे। अगर ब्याज बढ़ता रहता है, तो क्या होगा? आप कर्ज में और भी गहरे और गहरे होते चले जाते हैं। और इसलिए, इस तरह के संदर्भ में साथी इस्राएलियों से ब्याज लेना अस्वीकार्य था।

तो फिर आप विदेशियों से ब्याज क्यों ले सकते हैं? यह सुझाव सामाजिक-आर्थिक है। विदेशी लोग व्यापारी वर्ग से आते हैं। वे घूमते रहते हैं।

वे इसराइल से होकर यात्रा कर रहे हैं। क्या आपको याद है कि इसराइल कहाँ है? यह बीच की भूमि है। वहाँ से प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक मार्ग गुजरते हैं, और विदेशी लोग हर समय वहाँ से गुजरते रहते हैं।

आप किसी विदेशी को कुछ पैसे उधार देते हैं, हो सकता है कि आप उसे फिर कभी न देखें, अगर वे मेसोपोटामिया से लेकर मिस्र तक की यात्रा कर रहे हैं। इसलिए, ऐसी परिस्थितियों में ब्याज की अनुमति है। सबसे पहले, अगर वह व्यापारी वर्ग है, तो वह शायद वैसे भी बहुत सारा पैसा कमा रहा होगा।

लेकिन दूसरी बात, यह एक तरह की बीमा पॉलिसी है। यह एक तरह की बीमा पॉलिसी है। इसलिए ऐसा नहीं है कि आप विदेशियों से सिर्फ इसलिए शुल्क नहीं ले सकते क्योंकि वे विदेशी हैं।

शायद इसका, कम से कम एक हद तक, इस पूरे व्यवसाय से कुछ लेना-देना है कि किस तरह के विदेशी लोग, वास्तव में, पैसे उधार लेंगे। अब, यह सभी समस्याओं का समाधान नहीं करता है, लेकिन कम से कम यह हमें इनमें से कुछ मुद्दों पर थोड़ा और परिप्रेक्ष्य देता है जो वास्तव में न्याय प्रशासन को प्रभावित करते हैं। अब तक तो सब ठीक है? ठीक है।

यहाँ एक और उदाहरण है। इसके बारे में सोचना थोड़ा मुश्किल है - मृत्युदंड।

और हाँ, यह हमारे 21वें पश्चिमी सांस्कृतिक संदर्भ में जितना दिखता है, उससे कहीं ज़्यादा दिखता है। लेकिन मुझे लगता है कि हमें जिस चीज़ पर ध्यान देने की ज़रूरत है, वह यह है कि शायद, और मैं यह बहुत सावधानी से कहता हूँ, और फिर से, यह और अधिक चर्चा के योग्य है, लेकिन कुछ मायनों में, मृत्युदंड उन कुछ चीज़ों की तुलना में ज़्यादा दयालु हो सकता है जिन्हें

हमने सज़ा के तौर पर तैयार किया है। मैं बस यही सुझाव देता हूँ कि, फिर से, इस पर और चर्चा होनी चाहिए।

एक बात जो वे बहुत सावधानी से करते थे, वह थी मृत्युदंड को जल्द से जल्द लागू करना। पत्थर मारना इसे करने का सबसे तेज़ तरीका था। इसका मतलब लोगों पर छोटे-छोटे पत्थर फेंकना नहीं है।

इसका मतलब है कि बहुत बड़ी चट्टानें, और यह सब खत्म हो गया। शव को पेड़ पर लटका दिया गया। इसका एक बहुत ही दिलचस्प धार्मिक निहितार्थ है।

व्यवस्थाविवरण अध्याय 21, श्लोक 23 में कहा गया है कि जिस व्यक्ति का शव पेड़ पर लटका दिया गया है, वह ईश्वर के श्राप के अधीन है। मुझे लगता है कि मैंने उत्पत्ति 22 और उस भेड़ के झुंड में फंसे होने के बारे में बात करते समय इसका संकेत दिया था। हम इसे पूरी तरह से देखने जा रहे हैं।

यह एक तरह का छोटा सा धागा है जो पुराने नियम में हमारे ऐतिहासिक ग्रंथों के माध्यम से काम करता है। हम इसे गलातियों 3.13 में पॉल द्वारा कही गई बातों तक देखेंगे, जब वह यीशु और क्रूस पर चढ़ने के बारे में बात कर रहा था। शापित है वह हर व्यक्ति जो पेड़ पर लटका दिया जाता है।

कोड़े मारना या अन्य शारीरिक दंड देना अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए। जैसा कि मैंने कहा, 40 कोड़ों से कम ताकि व्यक्ति पूरी तरह से अपमानित या पूरी तरह से टूटा हुआ न हो, मूल रूप से। शारीरिक दंड के अन्य तरीके।

इसमें एक बहुत ही रोचक अंश है। मुझे लगता है कि यह व्यवस्थाविवरण 25 है। मुझे पूरा यकीन है कि अगर कोई महिला दो पुरुषों के बीच लड़ाई को रोकने के लिए आगे आती है, और वह अपने हाथ से किसी पुरुष के अंडकोष पर वार करती है, तो उसके हाथ का क्या होगा? वह कट जाएगा।

शायद इसलिए क्योंकि उसने संभवतः उसके जीवन और संतान के स्रोत को ही खतरे में डाल दिया है। बेशक, उस संस्कृति में इसके कई तरह के निहितार्थ हैं, हमारी संस्कृति से कहीं ज़्यादा। तो यह संभावित सुझाव है।

और, ज़ाहिर है, अगर उसने ऐसा किया है, तो आप उसे माप-दर-माप सज़ा नहीं दे सकते, है न? आप बात समझ गए होंगे, है न? प्रतिपूर्ति। अगर आप कुछ चुराते हैं, तो वह शब्द जो बार-बार आता है, वह हिब्रू शब्दों का एक जोड़ा है, क्रियाएँ। शालेम य'शालेम।

वह ज़रूर सज़ा भुगतगा। जो व्यक्ति दोषी है, उसे ज़रूर सज़ा भुगतनी पड़ेगी।

फिर से, इसमें चीजों को सही करना शामिल है, यानी इस भुगतान को करके शांति की स्थिति प्राप्त करना, यह बिल्कुल आवश्यक अनिवार्य भुगतान है। जो कुछ चुराया गया है, उसके आधार

पर, वे इसे दोगुना या शायद चार या पाँच बार करके सही करते हैं। जितनी बड़ी संख्या होगी - जाहिर है कि वे चार हैं, खासकर पाँच बार - बोझ ढोने वाले जानवरों के लिए है।

आप जानते हैं, जानवर जो प्रमुख काम कर रहे थे। वे आर्थिक निवेश थे। वह चोरी हो जाता है।

अगर आपने गाय या बैल या ऐसा कुछ खो दिया है तो आपने वाकई बहुत कुछ खो दिया है। यही कारण है कि जब कोई चीज वापस मिल जाती है तो उसका प्रतिफल बहुत बड़ा होता है। ठीक है।

हमने पहले ही शरणस्थली शहरों का ज़िक्र किया है, जिसके बारे में हम तब और बात करेंगे जब हम आदिवासी विरासतों और इन शहरों को कहाँ और क्यों रखा गया है, के बारे में बात करेंगे। वहाँ कुछ दिलचस्प भौगोलिक मुद्दे हैं। ठीक है।

चलिए आगे बढ़ते हैं। मैं इस पर बहुत तेज़ी से चर्चा करने जा रहा हूँ। है न? इस तरह के मामले।

यह मूल रूप से उन चीजों का सारांश है जो आपने इन अध्यायों में पढ़ी हैं जिन्हें आपने आज पढ़ा है। तो, पारस्परिक चोटों पर एक श्रेणी है। क्षमा करें।

चलिए फिर से कोशिश करते हैं। पारस्परिक संबंध, पहला मामला चोट पहुँचाना है। और इसमें लोगों पर हमला करने से लेकर मौत तक सब कुछ शामिल है।

इस श्रेणी में विवाह और तलाक से जुड़े सभी मुद्दे भी शामिल हैं। वैसे, व्यवस्थाविवरण 24 में तलाक और तलाक के कारणों के बारे में चर्चा फरीसियों के लिए आधार प्रदान करती है जब वे यीशु से सवाल करने आते हैं। आपको मती 19 में यह याद होगा।

किन कारणों से या किन कारणों से एक आदमी अपनी पत्नी को उचित रूप से तलाक दे सकता है? यह व्यवस्थाविवरण 24 पर चल रही फरीसी चर्चा को दर्शाता है क्योंकि इसमें एक ऐसा शब्द है जिसकी व्याख्या करना थोड़ा कठिन है। हिब्रू शब्द है एर्वा। इसका क्या अर्थ है? क्या इसका अर्थ यौन रूप से अनुचित आचरण, व्यभिचार, आदि है? या इसका मतलब केवल अप्रिय है? यही वह पूरा मुद्दा है जिस पर चर्चा की जा रही है जब वे लोग यीशु के पास आते हैं और यह प्रश्न पूछते हैं।

वह व्यभिचार के पक्ष में है। यौन दुर्व्यवहार। किसी भी मामले में, पारिवारिक दुर्व्यवहार, संपत्ति की क्षति, हानि और इस तरह की सभी चीजें ग्रामीण कृषि संबंधी चिंताओं पर आधारित संस्कृति का अभिन्न अंग हैं।

चोरी का उल्लेख हम पहले ही भुगतान या पुनर्भुगतान के संदर्भ में कर चुके हैं। बेशक, इसमें अंतर यह है कि एक ओर चोरी करना, लोगों को चुराना, अपहरण करना, जिसकी सज़ा मौत है, जैसा कि हमने पहले कहा है, और फिर केवल संपत्ति चुराना। ध्यान दें कि पाठ कुछ बहुत ही बुनियादी आर्थिक मुद्दों के लिए काफी चिंतित है।

वेतन। वे उचित होने चाहिए। उन्हें भुगतान किया जाना चाहिए।

ऋण, गुलामी, पैसे उधार देना, ये सब तो है ही, और फिर विरासत के अधिकार भी, जहाँ हम उत्पत्ति की कहानियों से कुछ ऐसा सीखते हैं जो हम पहले से ही जानते हैं कि विरासत के अधिकार ज्येष्ठ को मिलते हैं, और आपको उस ज्येष्ठ को दोगुना हिस्सा दिया जाता है। खैर, मुझे यहाँ राष्ट्रीय हित के मामलों पर कम से कम कुछ मिनट बिताने की ज़रूरत है। ओह, चलिए पहले राजा के दायित्वों पर बात करते हैं।

और यहाँ मैं वास्तव में पाठ को खींचकर पढ़ूँगा, क्योंकि मैं चाहता हूँ कि आप इस बारे में सोचें। हो सकता है कि आज इसे पढ़ते समय आपके पास पहले से ही यह हो। व्यवस्थाविवरण अध्याय 17 में, उद्धरण, उद्धरण रहित, सर्वोच्च न्यायालय वाले भाग के ठीक बाद, हमारे पास निम्नलिखित है।

जब तुम उस देश में प्रवेश करते हो जिसे तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें दे रहा है, और तुम उस पर अधिकार कर लेते हो, बस जाते हो, तो तुम कहते हो, चलो हम अपने ऊपर एक राजा नियुक्त करें, जैसे हमारे आस-पास के सभी राष्ट्र करते हैं। अब हम यह होते हुए देखेंगे। और बेशक, यह सबसे अच्छी योजना नहीं है, लेकिन यही होता है।

और यह कहता है, ठीक है, राजा को नियुक्त करो और अच्छा करो। श्लोक 16, उसे बहुत सारे घोड़े नहीं रखने चाहिए। श्लोक 17, उसे बहुत सारी पत्नियाँ नहीं रखनी चाहिए।

क्या आप इस बारे में एक मिनट भी सोच रहे हैं? नहीं तो उसका दिल भटक जाएगा। उसे बड़ी मात्रा में चांदी या सोना जमा नहीं करना चाहिए। ये बातें हमें सुलैमान की याद दिलाती हैं।

और हम सुलैमान के बारे में बात करेंगे। सुलैमान वास्तव में अपनी पत्नियों द्वारा गुमराह किया गया था, और उसने इन पत्नियों के जवाब में विदेशी देवताओं की पूजा करने के लिए कुछ चीजे बनाईं। हम इसके बारे में और भी बहुत कुछ कहेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि उसने भारी मात्रा में चांदी और सोना भी जमा कर रखा है। खैर, चलिए सकारात्मक पहलू पर नज़र डालते हैं। उसे अपने लिए इस कानून की एक प्रति लिखनी है।

यह उसके साथ होना चाहिए। उसे अपने जीवन के सभी दिनों में इसे पढ़ना चाहिए ताकि वह अपने भगवान का आदर करना सीख सके और इस टोरा के सभी शब्दों का सावधानीपूर्वक पालन कर सके और खुद को अपने भाइयों से बेहतर न समझे। अब, दुर्भाग्य से, जब हम इतिहास को पढ़ते हैं, और हम जल्द ही ऐसा करने जा रहे हैं, तो एक बात यह होती है कि टोरा कई दशकों तक खो जाता है।

और इसलिए, ज़ाहिर है, राजा इसका पालन नहीं कर रहा है जैसा कि उसे करना चाहिए था। युद्ध में जाने के मामले में भी कुछ शर्तें हैं जो काफी दिलचस्प हैं। व्यवस्थाविवरण 20.

मैं उन्हें थोड़ा सा पढ़ूंगा। जब लोग युद्ध में जाते हैं तो राजा प्रमुख व्यक्ति नहीं होता। क्या आपने इस पर ध्यान दिया? जब आप युद्ध में जाने वाले होते हैं, तो पुजारी आगे आकर सेना को संबोधित करेगा, और वह कहेगा, हे इस्राएल, सुनो, तुम अपने शत्रुओं के विरुद्ध युद्ध में जा रहे हो।

डरो मत, घबराओ मत, घबराओ मत, प्रभु तुम्हारे साथ है।

लेकिन फिर अधिकारी आते हैं, और वे क्या कहते हैं? हमारे कर्तव्यनिष्ठ आपत्तिकर्ता के बराबर शायद एक स्थिति होती है। अगर कोई अभी-अभी शादी करके आया है, अगर उसने अभी-अभी कुछ खरीदा है, तो वह घर वापस जा सकता है। उसे स्वचालित रूप से भर्ती नहीं किया जाएगा।

और उससे भी आगे, अगर वह डरता है। पाठ में ऐसे व्यक्ति के लिए भी प्रावधान है जो युद्ध में जाने से डरता है। वापस मुड़ो, घर जाओ।

इसलिए, युद्ध के लिए इन प्रावधानों में मानवतावाद का अच्छा खासा समावेश है। जब आप किसी शहर पर हमला करने के लिए आगे बढ़ते हैं, तो पहले शांति की पेशकश करें। अगर वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं, तो आप युद्ध के मुद्दों को आगे बढ़ाते हैं।

अब, इसमें और भी बहुत कुछ है, लेकिन समय की बचत के लिए, मैं आपको इसे खुद पढ़ने दूँगा। ये वो मुख्य बातें हैं जिन पर मैं चाहता हूँ कि आप ध्यान दें क्योंकि हम अध्याय 20 शुरू कर रहे हैं। फिर से, अध्याय 20 में और भी बहुत कुछ है।

यह अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस विशेष अंश में, या सामाजिक टोरा के इन अंशों में, हम कुछ ऐसी चीजें देखते हैं जो मुझे लगता है कि बहुत उपयोगी हैं, सिद्धांत जो शायद हम प्राचीन इस्राएली समाज से ले सकते हैं। सबसे पहले, इस्राएलियों को हमेशा दशमांश देना था। दसवां हिस्सा, यह सिद्धांत का हिस्सा था।

इसका कुछ हिस्सा वास्तव में पूजा संरचना, पुजारियों, इत्यादि का समर्थन करने के लिए था। लेकिन इस विशेष शर्त पर ध्यान दें। हर तीन साल के अंत में, उस वर्ष की उपज का दशमांश लाएँ और इसे अपने शहरों में जमा करें, ताकि लेवीय, विदेशी, अनाथ और विधवाएँ आकर खा सकें और संतुष्ट हो सकें।

जो लोग मताधिकार से वंचित हैं, उनके लिए अन्य चीजों के अलावा, दशमांश राशि से सहायता प्रदान की जाती थी। इसलिए, यदि आप इसे कहें तो, धार्मिक सरकार के पास बहुत सारी सामग्री थी, और उन्हें वंचित लोगों की देखभाल के लिए इसे वितरित करना था। दूसरे, आपके पास बीनने की सामग्री है।

हम इसे, निश्चित रूप से, रूत की कहानी के सामने आने पर इसके उदाहरण के रूप में देखते हैं। लेकिन बीनना भी एक महत्वपूर्ण बात थी। चाहे वे कुछ भी उगाएँ, चाहे वह गेहूँ हो, चाहे जैतून हो, कौन परवाह करता है? अंगूर, उन्हें दूसरी बार नहीं जाना था।

आपने सब कुछ नहीं उठाया। आपने जो कुछ भी था उसे लोगों के लिए छोड़ दिया ताकि वे खेतों में जाकर बीन सकें, अंगूर के बागों में, अंगूर के खेतों में, और जैतून के बागों में - मूल रूप से, वर्कफेयर में।

उन्होंने इसके लिए काम करके अपना भरण-पोषण प्राप्त किया। और फिर, बेशक, बहुत जल्दी, हमारे पास सातवें वर्ष की प्रक्रियाएँ भी हैं। और मैं आपको व्यवस्थाविवरण 15 की सामग्री को अपने आप देखने की अनुमति दूँगा।

लेकिन मुख्य बात यह है कि हर सातवें साल कर्ज माफ कर दिए जाते थे और गुलामों को आज़ाद कर दिया जाता था। इससे स्थायी निम्न वर्ग बनने से रोका जा सका, जो कि बहुत महत्वपूर्ण है।

खैर, एक और बात, मुझे लगता है। हाँ, शरण के शहर। चलो बस इस पर भी नज़र डालते हैं।

यहीं पर मैं हमारी सोच को एक साथ लाना चाहता हूँ। याद रखें, मैंने शुरुआत में और पिछली बार भी कहा था कि टोरा की तीन श्रेणियों के बीच कोई कठोर सीमा नहीं है। स्पष्ट रूप से, जैसा कि आपने देखा है कि हमने आज जो देखा है, उसमें एक अविभाज्य है, आप इसे अलग नहीं कर सकते, जीवन के नैतिक टोरा मुद्दों, कल्याण के मुद्दों, उन सभी प्रकार की चीजों के बीच का संबंध, उसके और नागरिक टोरा क्षेत्र में जो कुछ भी होता है उसके बीच का संबंध।

हमने आज जो भी बातें की हैं, उनमें हमने इसे देखा है। अगली बार, हम यह भी देखेंगे कि सिविल टोरा अनुष्ठान टोरा से संबंधित है। हमने पहले ही इसे थोड़ा सा देखा है, दशमांश।

जैसा कि मैंने कहा, दशमांश देना एक अनुष्ठानिक प्रथा है जिसका उपयोग मंदिर के तम्बू को सहारा देने के लिए किया जाता है। लेकिन यह नागरिक टोरा के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण है। हम देखेंगे कि सब्बाथ मुद्दों के संबंध में इसे थोड़ा और विकसित किया गया है।

ठीक है, अब छोड़ने का समय आ गया है। आपका दिन शुभ हो। शुभ GE दिवस।